

SMT. KAMALA PUJARI

Smt. Kamala Pujari is a famous agriculturist from Odisha.

2. Born in 1955, in the peaceful and tranquil environment of tribal village Baipariguda of Block Kantikiguda, Ms. Pujhari has collected endangered and rare type of seeds such as paddy; turmeric; tili; black cumin; mahakanta; phula; ghantia in the malnutrition affected District Koraput which signifies her dedication and commitment towards the national duty.

3. Smt. Pujari has never accepted failure throughout her life. Her motherly efforts to strengthen and develop the farmers are encouraging them. Agricultural scientists are also being benefitted from the resources preserved by her. Her outlook and preserving mind set has been bringing about revolutionary reform in state; country and also at International level. She has continuously been engaged in her research work. She has successfully harvested by using organic manure. She has been a source of inspiration for the future generation for preservation of local/traditional paddy.

4. Smt.Pujari has been honoured at national and international level for her work. In 2002, she was awarded in the World Thinking Convention in Johannesburg. In 2004; the State Government had felicitated her as the Best Woman Farmer. She also won the Equator Initiative Award in South Africa in 2002 for preserving hundreds of local varieties of paddy and promoting organic farming. She got the Agricultural Expert Award in New Delhi in 2003.

पद्म श्री



श्रीमती कमला पूजारी



श्रीमती कमला पूजारी ओडिसा की एक ख्यातिप्राप्त कृषक हैं।

2. आपका जन्म वर्ष 1955 में कांतिकीगुड़ा ब्लॉक के आदिवासी गांव बायपारीगुड़ा के शांत एवं सुरम्य वातावरण में हुआ था। आपने कुपोषण प्रभावित जिला कोरापुट में लुप्तप्राय और दुर्लभ प्रकार के बीजों जैसे कि धान, हल्दी, तिली, काला जीरा, महाकांता, फूला, घंटिया का संग्रहण किया जोकि राष्ट्रीय कर्तव्य के प्रति आपकी समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

3. श्रीमती पूजारी ने अपने पूरे जीवन काल में कभी भी असफलता स्वीकार नहीं की है। किसानों को मजबूत बनाने तथा विकसित करने के आपके ममतामयी प्रयासों से किसान काफी प्रोत्साहित हो रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक भी आपके द्वारा संरक्षित संसाधनों से लाभान्वित हो रहे हैं। आपके दृष्टिकोण तथा संरक्षणवादी सोच से राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी क्रांतिकारी सुधार आये हैं। आप अपने शोध कार्य में अनवरत रूप से लगी हुई हैं। आपने जैविक खाद का उपयोग करके सफलतापूर्वक खेती-बाड़ी की है। आप स्थानीय/पारंपरिक धान के संरक्षण के लिए भावी पीढ़ियों के लिए एक प्ररेणा स्रोत रही हैं।

4. आपके इन कार्यों के लिए आपको राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। वर्ष 2002 में आपको वर्ल्ड थिंकिंग कन्वेंशन में जोहान्सबर्ग में सम्मानित किया है। वर्ष 2004 में, राज्य सरकार ने आपको सर्वोत्कृष्ट महिला कृषक के रूप में सम्मानित किया। आपने धान की सैकड़ों स्थानीय किस्मों को संरक्षित करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2002 में दक्षिण अफ्रीका में इक्वेटर इनीशिऐटिव अवॉर्ड भी जीता है। आपको वर्ष 2003 में नई दिल्ली में कृषि विशेषज्ञ पुरस्कार भी मिला है।